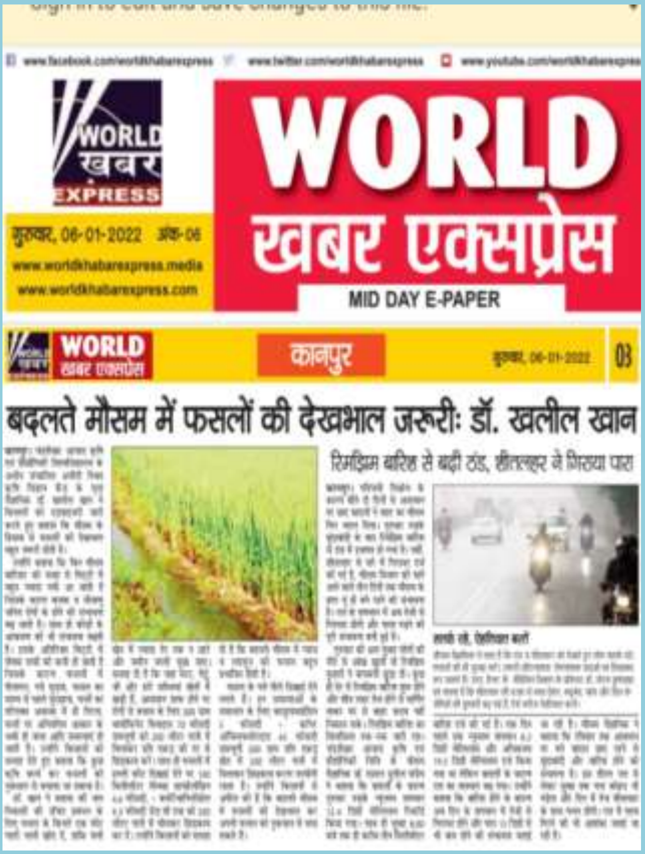

www.facebook.com/worldkhabarexpress www.twitter.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress

WORLD खबर EXPRESS

गुरुवार, 06-01-2022 अंक-06
www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

WORLD खबर एक्सप्रेस

MID DAY E-PAPER

WORLD खबर एक्सप्रेस कानपुर गुरुवार, 06-01-2022 03

बदलते मौसम में फसलों की देखभाल जरूरीः डॉ. खलील खान

रिमझिम बारिश से बढ़ी ठंड, शीतलहर ने गिराया पारा

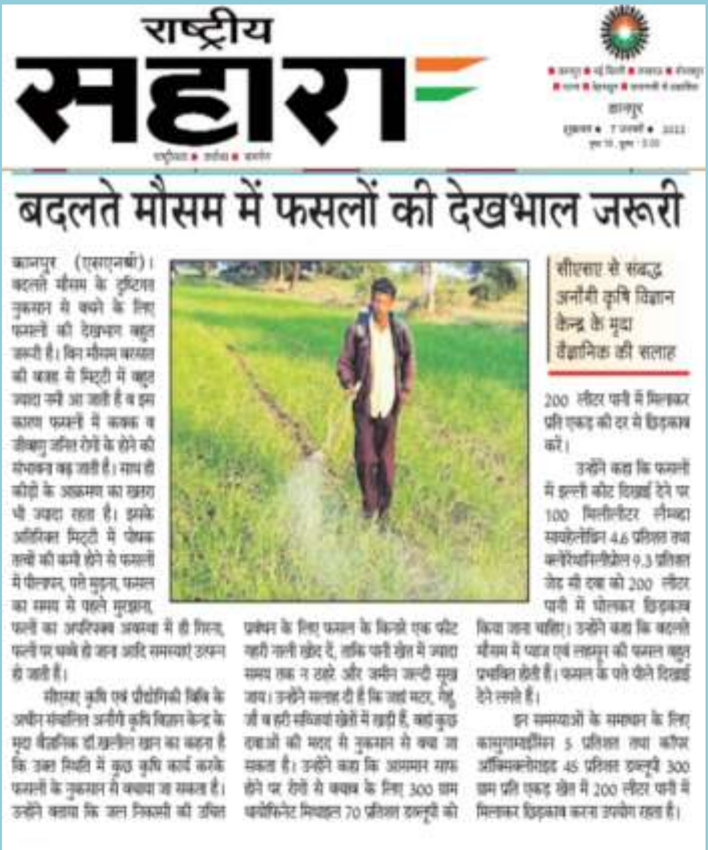

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर
शुक्रवार • 7 जनवरी • 2022

बदलते मौसम में फसलों की देखभाल जरूरी

सीएसए से संबद्ध अनौगी कृषि विज्ञान केन्द्र के मृदा वैज्ञानिक की सलाह

कानपुर (एसएनबी)। बदलते मौसम के दृष्टिगत नुकसान से बचने के लिए फसलों की देखभाल बहुत जरूरी है। बिन मौसम बरसात की वजह से मिट्टी में बहुत ज्यादा नमी आ जाती है व इस कारण फसलों में कवक व जीवाणु जनित रोगों के होने की संभावना बढ़ जाती है। साथ ही कीड़ों के आक्रमण का खतरा भी ज्यादा रहता है। इसके अतिरिक्त मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी होने से फसलों में पीलापन, पत्ते मुड़ना, फसल का समय से पहले मुरझाना, फलों का अपरिपक्व अवस्था में ही गिरना, फलों पर धब्बे हो जाना आदि समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं।

सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के अधीन संचालित अनौगी कृषि विज्ञान केन्द्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खान का कहना है कि उक्त स्थिति में कुछ कृषि कार्य करके फसलों के नुकसान से बचाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि जल निकासी की उचित प्रबंधन के लिए फसल के किनारे एक फीट गहरी नाली खोद दें, ताकि पानी खेत में ज्यादा समय तक न ठहरे और जमीन जल्दी सूख जाय। उन्होंने सलाह दी है कि जहां मटर, गेहूं, जौ व हरी सब्जियां खेतों में खड़ी हैं, वहां कुछ दवाओं की मदद से नुकसान से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि आसमान साफ होने पर रोगों से बचाव के लिए 300 ग्राम थायोफिनेट मिथाइल 70 प्रतिशत डब्लूपी को 200 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें।

उन्होंने कहा कि फसलों में इल्ली कीट दिखाई देने पर 100 मिलीलीटर लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 4.6 प्रतिशत तथा क्लोरेंथ्रानिलिप्रोल 9.3 प्रतिशत जेड सी दवा को 200 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बदलते मौसम में प्याज एवं लहसुन की फसल बहुत प्रभावित होती है। फसल के पत्ते पीले दिखाई देने लगते हैं।

इन समस्याओं के समाधान के लिए कासुगामाइसिन 5 प्रतिशत तथा कॉपर ऑक्सिक्लोराइड 45 प्रतिशत डब्लूपी 300 ग्राम प्रति एकड़ खेत में 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना उपयोगी रहता है।

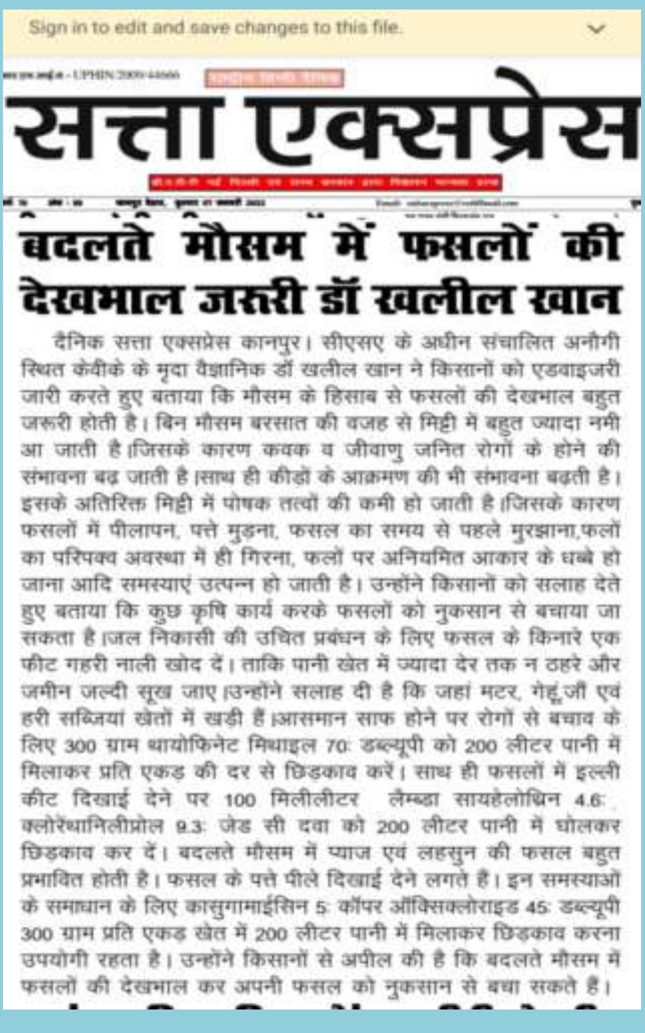

Sign in to edit and save changes to this file.

UPHIN/2009/44666

सत्ता एक्सप्रेस

बदलते मौसम में फसलों की देखभाल जरूरी डॉ खलील खान

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित अनौगी स्थित केवीके के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि मौसम के हिसाब से फसलों की देखभाल बहुत जरूरी होती है। बिन मौसम बरसात की वजह से मिट्टी मे बहुत ज्यादा नमी आ जाती है।जिसके कारण कवक व जीवाणु जनित रोगों के होने की संभावना बढ़ जाती है।साथ ही कीड़ों के आक्रमण की भी संभावना बढ़ती है। इसके अतिरिक्त मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है।जिसके कारण फसलों में पीलापन, पत्ते मुड़ना, फसल का समय से पहले मुरझाना,फलों का परिपक्व अवस्था में ही गिरना, फलों पर अनियमित आकार के धब्बे हो जाना आदि समस्याएं उत्पन्न हो जाती है। उन्होंने किसानों को सलाह देते हुए बताया कि कुछ कृषि कार्य करके फसलों को नुकसान से बचाया जा सकता है।जल निकासी की उचित प्रबंधन के लिए फसल के किनारे एक फीट गहरी नाली खोद दें। ताकि पानी खेत में ज्यादा देर तक न ठहरे और जमीन जल्दी सूख जाए।उन्होंने सलाह दी है कि जहां मटर, गेहूं,जौ एवं हरी सब्जियां खेतों में खड़ी हैं।आसमान साफ होने पर रोगों से बचाव के लिए 300 ग्राम थायोफिनेट मिथाइल 70: डब्ल्यूपी को 200 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड की दर से छिड़काव करें। साथ ही फसलों में इल्ली कीट दिखाई देने पर 100 मिलीलीटर लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 4.6: क्लोरेंथ्रानिलीप्रोल 9.3: जेड सी दवा को 200 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। बदलते मौसम में प्याज एवं लहसुन की फसल बहुत प्रभावित होती है। फसल के पत्ते पीले दिखाई देने लगते हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए कासुगामाईसिन 5: कॉपर ऑक्सिक्लोराइड 45: डब्ल्यूपी 300 ग्राम प्रति एकड़ खेत में 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना उपयोगी रहता है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि बदलते मौसम में फसलों की देखभाल कर अपनी फसल को नुकसान से बचा सकते हैं।

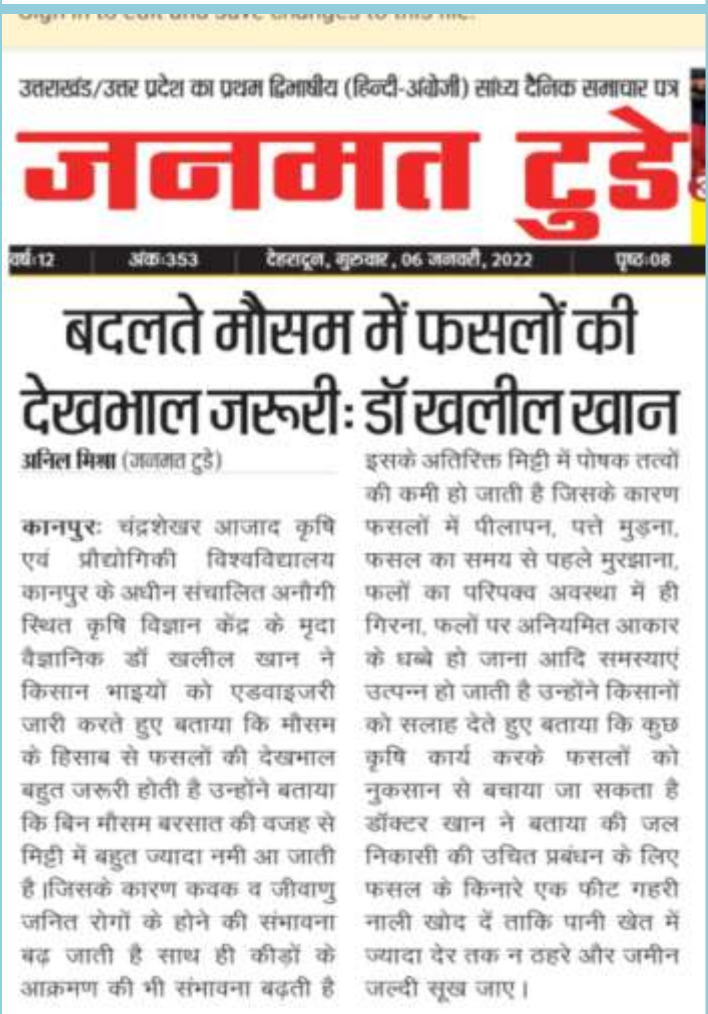

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:12 | अंक:353 | देहरादून, गुरुवार , 06 जनवरी, 2022 | पृष्ठ:08

बदलते मौसम में फसलों की देखभाल जरूरीः डॉ खलील खान

अनिल मिश्रा (जनमत टुडे)

कानपुरः चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित अनौगी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि मौसम के हिसाब से फसलों की देखभाल बहुत जरूरी होती है उन्होंने बताया कि बिन मौसम बरसात की वजह से मिट्टी में बहुत ज्यादा नमी आ जाती है ।जिसके कारण कवक व जीवाणु जनित रोगों के होने की संभावना बढ़ जाती है साथ ही कीड़ों के आक्रमण की भी संभावना बढ़ती है इसके अतिरिक्त मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है जिसके कारण फसलों में पीलापन, पत्ते मुड़ना, फसल का समय से पहले मुरझाना, फलों का परिपक्व अवस्था में ही गिरना, फलों पर अनियमित आकार के धब्बे हो जाना आदि समस्याएं उत्पन्न हो जाती है उन्होंने किसानों को सलाह देते हुए बताया कि कुछ कृषि कार्य करके फसलों को नुकसान से बचाया जा सकता है डॉक्टर खान ने बताया की जल निकासी की उचित प्रबंधन के लिए फसल के किनारे एक फीट गहरी नाली खोद दें ताकि पानी खेत में ज्यादा देर तक न ठहरे और जमीन जल्दी सूख जाए।